चैंपियन्स ट्राफी से प्रेरणा लेकर वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेगा पाकिस्तान

नाटिंघम। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
पाकिस्तान विश्व कप के अपने पहले मैच में शुक्रवार को जब यहां वेस्टइंडीज से भिड़ेगा तो इंग्लैंड में दो साल पहले चैंपियन्स ट्राफी में अपनी करिश्माई जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान ने अपने पिछले 10 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच गंवाए हैं जिसमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-5 से वाइटवाश और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार भी शामिल है।

टीम को इसके अलावा अभ्यास मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ भी तीन विकेट से हार झेलनी पड़ी। कप्तान सरफराज अहमद ने हालांकि कहा है कि उनकी टीम 2017 के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी क्योंकि तब भी उसकी स्थिति ऐसी ही थी। तब टूर्नामेंट से पहले उसे आस्ट्रेलिया ने 4-1 से हराया था जबकि चैंपियन्स ट्राफी के पहले मैच में भारत ने उसे 124 रन से रौंद दिया था।

पाकिस्तान ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उसने भारत को 180 रन से रौंदा। सरफराज को साथ ही उम्मीद है कि स्पाट फिक्सिंग प्रतिबंध के कारण 2011 और 2015 विश्व कप से बाहर रहने के बाद अपना पहला विश्व कप खेल रहे तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद आमिर आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल और बेहतरीन फार्म में चल रहे शाई होप की मौजूदगी वाले वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। आमिर की फार्म पाकिस्तान के लिए अहम होगी क्योंकि चैंपियन्स ट्राफी फाइनल में भारत के खिलाफ तीन विकेट चटकाकर अपनी टीम को खिताब दिलाने वाले आमिर इसके बाद से 15 मैचों में सिर्फ पांच विकेट हासिल कर पाए हैं।

गांव की गलियों में क्रिकेट खेलकर विश्व कप तक पहुंचे शादाब खान दो बार के विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विश्व कप मैचों में पाकिस्तान सिर्फ तीन मैच जीत पाया है। वेस्टइंडीज ने 2015 में भी क्राइस्टचर्च में उसे 150 रन से हराया था। रसेल ने तब चार छक्कों की मदद से 13 गेंद में 42 रन बनाने के बाद तीन विकेट चटकाकर अपनी टीम की जीत की नींव रखी थी। रसेल ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में भी वेस्टइंडीज के 421 रन के स्कोर के दौरान 25 गेंद में 54 रन बनाए और होप ने शतक जड़ा। वेस्टइंडीज ने पिछले साल जिंबाब्वे में क्वालीफाइंग राउंड के जरिये विश्व कप में जगह बनाई है और टीम पिछले कुछ समय में फार्म हासिल करने में सफल रही है। वेस्टइंडीज ने अपनी सरजमीं पर दुनिया की नंबर एक टीम और विश्व कप में जीत के प्रबल दावेदार इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से श्रृंखला बराबरी की। टीम हालांकि आयरलैंड में त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में बांग्लादेश से हार गई।

इंग्लैंड की टीम में हैं 2 'रन मशीन', 4 साल से त्राहिमाम हैं दुनियाभर के बॉलर; कैसे निपटेगा दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
आईसीसी विश्व कप-2019 (ICC World Cup 2019) के पहले मैच में आज (30 मई) मेजबान इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुहूर्त मैच खेला जाएगा. %द ओवल% के मैदान दोनों बड़ी टीमें टकराएंगी. इस मुकाबले पर दुनियाभर के क्रिकेटप्रेमियों की नजर होगी. खासकर इस मैच में दो खिलाड़ियों इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन और जोए रूट की पारी का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. ये दो ऐसे बल्लेबाज हैं, जिनके पिछले चार साल के करियर पर नजर डालें तो ऐसा लगता है कि मानो ये इसी टूर्नामेंट के लिए बल्ले को धार देते आ रहे हैं. इयोन मोर्गन और जोए रूट दो ऐसे बल्लेबाज हैं जो 2015 के विश्व कप के बाद से लगातार शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं.

इयोन मोर्गन (Eoin morgan): क्रिकेट विश्व कप चार साल बाद आता है. यह टूर्नामेंट भले ही 1975 चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड इसे कभी भी जीत नहीं पाया है. दिलचस्प बात यह है कि क्रिकेट और इस टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड ने की है. इयोन मोर्गन ने 2015 के विश्व कप के बाद से अब तक 81 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्हें 75 मैचों में बैटिंग का मौका मिला. इसमें उन्होंने 3039 रन बनाए हैं. इस दौरान उन्होंने 5 शतक भी जमाए हैं. मोर्गन के फॉर्म में होने का फायदा इंग्लैंड की टीम को दो तरह से होगा. एक तो मोर्गन के बल्ले से निकलने वाले रन टीम के काम आएगी. साथ ही अगर मोर्गन बतौर कप्तान रन बनाते हैं तो टीम के युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा और वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे.

जोए रूट (छ्श्ग्र्द्द ञ्च्ग्न्त्ह)= इंग्लैंड के टीम के मध्यक्रम में एक ऐसा बैट्समैन हैं, जिनके पांव क्रीज पर जम जाए तो कोई भी बॉलिंग अटैक धराशायी हो सकता है.

रूट के बैटिंग की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह बड़े शॉट्स के साथ दौड़कर रन बनाने में भी गुरेज नहीं करते हैं. पिछले चार साल में रूट ने 78 मैचों की 74 पारियों में 3498 रन बनाए हैं. इस दौरान इनका औसत 58 से ज्यादा का रहा है. इन्होंने 10 शतक भी जमाए हैं.

इंग्लैंड प्रबल दावेदार के तमगे का दबाव सहने में सक्षम: मोर्गन

लंदन। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप के उद्घाटन मैच की पूर्व संध्या पर बुधवार को कहा कि उनकी टीम प्रबल दावेदार के तमगे के कारण दबाव में नहीं आएगी। वनडे क्रिकेट में विश्व की नंबर एक टीम इंग्लैंड ने पिछली 19 में से 15 श्रृंखलाएं जीती है। मोर्गन ने कहा कि हमने एक टीम के तौर पर इस पर बात की। अपेक्षाओं का स्तर और प्रबल दावेदार का तमगा किन्हीं कारणों से टीम से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में विशेषकर स्वदेश में हमारा प्रदर्शन बेजोड़ रहा और यही वजह है कि हमें प्रबल दावेदार माना जा रहा है।मोर्गन ने कहा कि पिछले विश्व कप टूर्नामेंटों की बात करें तो मैं उनमें खेला हूं और कुछ अन्य खिलाड़ी भी उनमें खेले हैं। हमसे कुछ अपेक्षाएं की गयी थी लेकिन हम वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाये। उसके बजाय मैं वर्तमान स्थिति का चयन करूंगा। मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन की चोट को लेकर इंग्लैंड में चिंता बनी हुई थी लेकिन मोर्गन ने घोषणा की कि सभी खिलाड़ी फिट हैं। उन्होंने कहा कि हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी पड़ी है। हम अपने खेल को लेकर आश्वस्त हैं। विश्व कप या एशेज का पहले मैच को लेकर अलग तरह का अहसास होता है और यह नैसर्गिक है। इससे निबटना भी चुनौती है लेकिन हम इसके लिये तैयार हैं।

विश्व कप से पहले लार्ड्स पर कोहली के मोम के पुतले का अनावरण

लंदन। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
मोम के पुतले तैयार करने के लिये मशहूर मैडम तुसाद ने आईसीसी विश्व कप से पहले भारतीय कप्तान कप्तान विराट कोहली के मोम के पुतले का यहां लार्ड्स में अनावरण किया। विश्व के चोटी के बल्लेबाज का मोम का पुतला गुरुवार से लेकर 15 जुलाई तक मैडम तुसाद में प्रदर्शित किया जाएगा। मैडम तुसाद लंदन के महाप्रबंधक स्टीव डेविस ने कहा, 'अगले कुछ सप्ताह तक देश भर में क्रिकेट का बुखार हावी रहेगा इसलिए हमारे पड़ोसी लार्ड्स की मदद से विराट कोहली के पुतले का अनावरण करने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता था।' उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि क्रिकेट प्रशंसक न कवेल अपने नायक को पिच पर खेलते हुए देखकर उसका लुत्फ उठाएंगे बल्कि यहां मैडम तुसाद में उनके साथ क्रीज भी संभालेंगे। ऐतिहासिक लार्ड्स में पहली बार प्रदर्शित किया गया पुतला भारत की आधिकारिक पोशाक में है। पुतले में जो जूते और दस्ताने पहनाये गये हैं। इन्हें खुद कोहली ने मुहैया कराया था।

World Cup 2019: 'डेल स्टेन की गैरमौजूदगी बड़ा झटका, रणनीति में बदलाव करना होगा'

डु प्लेसिस विश्व की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के खिलाफ ओवल में अपनी टीम की अगुवाई करेंगे. दोनों टीमें पहली बार विश्व कप ट्राफी जीतने की कोशिश में लगी हैं.

लंदन: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डु प्लेसिस (**Faf Du Plessis**) ने बुधवार को कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज डेल स्टेन की मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप के उद्घाटन मैच में अनुपस्थिति बहुत बड़ा झटका है और इससे उन्हें अपनी रणनीति में बदलाव करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा. डुप्लेसिस ने पत्रकारों से कहा, ''स्टेन का नहीं खेल पाना हमारे लिये बहुत बड़ा झटका है. जब टीम का चयन किया गया तब वह 60 प्रतिशत फिट थे इसलिए हम यह मान रहे थे कि ऐसा हो सकता है. लेकिन अगर डेल स्टेन फिट होता तो हमारा आक्रमण बेहद मजबूत होता इसलिए इंग्लैंड के खिलाफ हमें अपनी टीम में कुछ बदलाव करने होंगे. ''डु प्लेसिस विश्व की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के खिलाफ ओवल में अपनी टीम की अगुवाई करेंगे. दोनों टीमें पहली बार विश्व कप ट्राफी जीतने की कोशिश में लगी हैं.

इंग्लैंड ने अपनी पिछली 19 वनडे सीरीज में से 15 में जीत दर्ज की है और उसे घरेलू सरजमीं पर हराना बहुत मुश्किल होगा.डु प्लेसिस ने कहा, ''आप प्रबल दावेदार हो या नहीं, आपको अच्छी क्रिकेट खेलनी ही होगी. वे प्रबल दावेदार के तमगे के हकदार हैं क्योंकि वे अपनी सरजमीं पर खेल रहे हैं और उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है.'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आपको इस टूर्नामेंट में हर अगले मैच में नये प्रतिद्वंद्वी का सामना करना है और इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप पूरे टूर्नामेंट के दौरान एकाग्र बने रहें. इंग्लैंड प्रबल दावेदार है और ऐसे में मैच में हम पर कम दबाव होगा और हम स्वतंत्र होकर खेल सकते हैं. ''डु प्लेसिस ने कहा, ''हम अंडरडॉग के रूप में उतर रहे हैं और इससे कुछ खिलाड़ियों पर दबाव कम होता है तो यह अच्छा होगा.''इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने दावा किया कि उनकी वर्तमान टीम के शीर्ष सात बल्लेबाज अब तक के सर्वश्रेष्ठ हैं. स्टेन के इस मैच से बाहर होने से भी इंग्लैंड की बड़े स्कोर की उम्मीदें बढ़ी हैं. दक्षिण अफ्रीका के पास हालांकि कैगिसो रबाडा की अगुवाई में अब भी दमदार आक्रमण है.डु प्लेसिस ने कहा, ''रबाडा को मुझसे किसी तरह की सलाह की जरूरत नहीं है. मैं उससे रणनीतिक संदर्भ में बात करूंगा लेकिन मैं उससे यह नहीं कहूंगा कि कैसे गेंदबाजी करनी है. वह मुझसे बेहतर जानता है. ''